

ACM कोर्ट सु-कार्यालय

### फर्द अहकाम

लक्ष्मी बनाम गोपाल

नाम न्यायालय

केस संख्या 54/24

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
	<p>7/5/25</p> <p>12/5/25</p> <p>लक्ष्मी</p>	<p>पंजवली प्रत्युत/वाजी के बचक हेतु सगप चाय/को.ता.पेसी पर आवश्यक रूप से बचक करे। पंजवली गिराउ 12/5 को पेस हो।</p> <p>सहायक कलक्टर आमेर मुजफ्फर</p> <p>पंजवली प्रत्युत/वाजी की धरणा उप. कुर्जा रिपोर्ट पर बचक पुकी गरी। प्रत्युत तर्क के कब्जा पर वाज तदरील वाज जावसू से प्राप्त कुर्जात रिपोर्ट के कब्जा पर डिप्टी क्लिप जाता है। किन्तु निर्णय व डिप्टी प्रत्युत से लिखवपा गप। पंजवली फैसल शुका टोक दाखिल पकर हो।</p>

✓

सहायक कलक्टर  
आमेर मुजफ्फर



न्यायालय :- सहायक कलक्टर आमेर,  
मुख्यालय जयपुर (राज.)  
पीठासीन अधिकारी : सुमन चौधरी  
आर.ए.एस.



नियमित वाद संख्या 54/2024

वाद प्रस्तुति दिनांक : 02.07.2024

लक्ष्मण पुत्र जगदीश जाति किशना पुत्र गंगाराम जाति हरियाणा ब्राह्मण निवासी ग्राम चंदपुराजाटान, तहसील आमेर, जिला जयपुर।

..... वादी

**बनाम**

1. गोपाल पुत्र जगदीश
2. मुकेश पुत्र नाथूराम
3. हनुमान पुत्र जगदीश

समस्त जाति बागड़ा, निवासी ग्राम बिशनसिंहपुरा, तहसील आमेर, जिला जयपुर।

4. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार जालसू तहसील जालसू व जिला जयपुर।
5. उप पंजीयक महोदय, जालसू तहसील जालसू, जिला जयपुर।

.....प्रतिवादीगण

वाद बाबत तकासमा एवं स्थायी निषेधाज्ञा अन्तर्गत - 53, 188 अन्तर्गत अधिनियम  
राजस्थान काश्तकारी अधिनियम -1955

दिनांक 12.05.2025

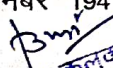
हस्तगत वाद पत्र में वादी द्वारा अंकित किया गया है कि आराजी वाके ग्राम बिशनसिंहपुरा, पटवार हल्का पूनाना, भू-अभिलेख क्षेत्र जयसिंहपुरा, तहसील जालसू, जिला जयपुर में स्थित खसरा नम्बर 146 रकबा 4.2600 हैक्टेयर, खसरा नंबर 180 रकबा 0.5800 हैक्टेयर, खसरा नंबर 187 रकबा 0.4800 हैक्टेयर, खसरा नंबर 194 रकबा 0.3500 हैक्टेयर, खसरा नंबर 195/360 रकबा 0.050 हैक्टेयर कुल कित्ता 5 कुल रकबा 5.7200 हैक्टेयर स्थित है। जो राजस्व अभिलेख जमाबंदी संवत् 2074 से 2077 अन्तर्गत दर्ज इन्द्राज के अनुसरण में उक्त खसरान् की भूमि में वादी का 1/6 हिस्सा निहित है। राजस्व अभिलेख जमाबन्दी अनुसार शेष हिस्सा अन्य प्रतिवादीगण के नाम से दर्ज एवं अंकित चला आ रहा है। वादी उपरोक्त वर्णित खाते की उपरोक्त वर्णित रकबा भूमि में अपने हिस्से की भूमि पर रिकार्डेड खातेदार काश्तकार की हैसियत से निरन्तर काबिज काश्त चले आ रहे हैं और अपने हिस्से अनुसार राजस्व लगान अदा करते आ रहे हैं। उपरोक्त वर्णित खाता की उपरोक्त वर्णित खसरान् की भूमि को "वाद अधीन कृषि भूमि" शब्द से संबोधित किया जा रहा है। वाद अधीन कृषि भूमि का विधिक विभाजन नहीं हुआ है इसलिये वादी एवं प्रतिवादीगण संयुक्त रूप से उक्त वर्णित रकबा भूमि पर निरन्तर काबिज काश्त चलें आ रहें हैं। चूँकि वाद अधीन कृषि भूमि वादी व प्रतिवादीगण की संयुक्त खातेदारी में दर्ज एवं अंकित चली आ रही है इसलिये वादी ने समय-समय पर प्रतिवादीगण को वाद अधीन कृषि भूमि कब्जे काश्त के मध्यनजर मौके पर कब्जे काश्त के आधार पर विधिक विभाजन करवाने हेतु कहा। पूर्व में तो प्रतिवादीगण मौके

*Bani*  
सहायक कलक्टर  
आमेर



पर कब्जे काश्त के मध्यनजर बाई मीट्स एण्ड बाइण्ड्स के आधार विधिक विभाजन करवाने हेतु हमी भरते रहे परन्तु बंटवारा नहीं किया जबकि विधि अनुसार जब तक संयुक्त खातेदारी की कृषि भूमि का विधिक विभाजन नहीं हो जाता है तब तक संयुक्त खातेदारी की कृषि भूमि का विशिष्ट भू-भाग विक्रय-हस्तान्तरण एवं निर्माण कार्य नहीं किया जा सकता है क्योंकि विधि अनुसार संयुक्त खातेदारी की कृषि भूमि के प्रत्येक इन्च भाग पर सह-हिस्सेदार काश्तकार का विधिक कब्जा एवं विधिक रिकार्डेड खातेदारी अधिकार निहित होता हैं। उक्त गैर कानूनी व विधि विरुद्ध तरीके से प्रतिवादीगण, वादी को वाद अधीन कृषि भूमि के विशिष्ट भू-भाग से बेदखल करने एवं प्रतिवादीगण को विशिष्ट भू-भाग पर कब्जा कर एवं विशिष्ट भू-भाग पर पक्का स्थाई एवं अस्थाई निर्माण कार्य करने पर उतारू है इस संबंध में प्रतिवादीगण दिनांक 24-06-2024 को साजिश रचकर मौके पर आये और वादी को एलानियां धमकी दी कि वाद अधीन कृषि भूमि का विशिष्ट भू-भाग पर निर्माण कार्य करेंगे तथा उसके कब्जे काश्त की भूमि से बेदखल कर दम लेंगे। इसलिये तुम वाद अधीन कृषि भूमि के विशिष्ट भू-भाग से अपना कब्जा हटा लें अन्यथा बाहुबल के आधार पर तुमको बेदखल कर दिया जायेगा। जबकि प्रतिवादीगण को ऐसा करने का कोई विधिक अधिकार हासिल नहीं हैं। चूँकि वाद अधीन कृषि भूमि का विधिक विभाजन नहीं हुआ है इसलिये प्रतिवादीगण को वाद अधीन कृषि भूमि के विशिष्ट भू-भाग को विक्रय-हस्तान्तरण एवं खुर्द-बुर्द करने एवं निर्माण कार्य करने एवं वादी को विशिष्ट भू-भाग से बेदखल करने के कोई विधिक अधिकार हासिल नहीं है। चूँकि प्रतिवादीगण ने कानून को ताक में रख कर कानून को हाथ में लिया है। चूँकि प्रतिवादीगण गैर कानूनी तरीके से वादी को उसके खातेदारी व विधिक अधिकारों से वंचित करने पर तुले हुए है इसलिये वादी वाद अधीन कृषि भूमि का कब्जे काश्त के आधार पर विधिक विभाजन करवा कर अपने हिस्से की खातेदारी व कब्जा-काश्तशुदा कृषि भूमि को अपनी पृथक खातेदारी में दर्ज करवाने, राजस्व लगान एवं राजस्व नक्शा पृथक करवाने का अधिकारी है।

वाद प्रस्तुति के उपरान्त प्रकरण नियमानुसार दर्ज पंजिका किया गया तथा तलबी प्रतिवादीगण आदेशित किया गया। वादी व प्रतिवादी संख्या 1, 2 व 3 की ओर से प्रार्थना पत्र आदेश 23 नियम 3 संपठित धारा 151 सीपीसी बाबत राजीनामा जरिये अधिवक्ता दिनांक 01.10.2024 को प्रस्तुत हुआ। मुताबिक राजीनामा उभयपक्ष वर्तमान कब्जे के आधार पर प्राथमिक डिक्री किया गया। तथा तहसीलदार जालसू जिला जयपुर को आदेशित किया कि वे वर्तमानकब्जे काश्त, राजीनामे को ध्यान में रखते हुए राज0 टीनेन्सी (बोर्ड ऑफ रेवेन्यू) रुल्स के नियम 18 से 21 की पालना करते हुए वाके ग्राम बिशनसिंहपुरा, पटवार हल्का पूनाना, भू-अभिलेख क्षेत्र जयसिंहपुरा, तहसील जालसू, जिला जयपुर में स्थित खसरा नम्बर 146 रकबा 4.2600 हैक्टेयर, खसरा नंबर 180 रकबा 0.5800 हैक्टेयर, खसरा नंबर 187 रकबा 0.4800 हैक्टेयर, खसरा नंबर 194 रकबा 0.3500 हैक्टेयर, खसरा नंबर 195/360 रकबा

  
सहायक कलेक्टर  
जयपुर



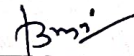
0.050 हैक्टेयर कुल किता 5 कुल रकबा 5.7200 हैक्टेयर भूमि का राजीनामे के आधार पर तकासमा कर जमाबंदी में अंकित हिस्से अनुसार कुर्रेजात रिपोर्ट मय नक्शा तीन प्रतियों में भिजवाने हेतु आदेशित किया गया। तहसीलदार जालसू से कुर्रेजात प्राप्त होने पर उभयपक्ष को बहस व आपत्ति हेतु अवसर दिया गया।

प्रकरण में बहस सुनी गयी एवं पत्रावली का अवलोकन किया गया। तहसीलदार जालसू द्वारा प्रस्तुत कुर्रेजात रिपोर्ट से यह स्पष्ट है कि उपरोक्त आराजी मे उभयपक्ष को अपने राजीनामें अनुसार विभाजन प्रस्ताव में हिस्सा दिया गया है तथा पक्षकारान को किसी प्रकार की कोई आपत्ति नहीं है उभयपक्ष ने कुर्रेजात रिपोर्ट के आधार पर वाद डिक्री किये जाने हेतु निवेदन किया। अतः तहसीलदार जालसू से प्राप्त कुर्रेजात रिपोर्ट के आधार पर दावा निम्न प्रकार डिक्री किया जाता है :-

1. गोपाल पुत्र जगदीश हि. 1/3, लक्ष्मण पुत्र जगदीश हि. 1/3, हनुमान पुत्र जगदीश हि. 1/3 राहिन स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर शाखा आमेर जाति बागडा ब्राहमण सात्र देह खातेदार के हिस्से खसरा नंबर 146/1 रकबा 2.1250 हैक्टेयर, खसरा नंबर 180/1 रकबा 0.29 हैक्टेयर, खसरा नंबर 187/1 रकबा 0.24 हैक्टेयर, खसरा नंबर 194/1 रकबा 0.1750 हैक्टेयर कुल किता 4 कुल रकबा 2.83 हैक्टेयर भूमि रहेगी।
2. मुकेश पुत्र नाथूराम जाति बागडा ब्राहमण राहिन जयपुर नागौर आचलिक ग्रामीण बैंक शाखा राधाकिशनपुरा के हिस्से खसरा नंबर 146/2 रकबा 2.1250 हैक्टेयर, खसरा नंबर 180/2 रकबा 0.29 हैक्टेयर, खसरा नंबर 187/2 रकबा 0.24 हैक्टेयर, खसरा नंबर 194/2 रकबा 0.1750 हैक्टेयर कुल किता 4 कुल रकबा 2.83 भूमि रहेगी।
3. गोपाल पुत्र जगदीश हि. 1/6 राहिन स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर, लक्ष्मण पुत्र जगदीश हि. 1/6 राहिन स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर शाखा आमेर, हनुमान पुत्र जगदीश हि. 1/6 राहिन स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर शाखा आमेर, मुकेश पुत्र नाथूराम हि. 1/2 राहिन जयपुर नागौर आचलिक बैंक शाखा राधाकिशनपुरा, जाति बागडा ब्राहमण सा. देह खातेदार के हिस्से खसरा नंबर 146/3 रकबा 0.01 हैक्टेयर, खसरा नंबर 195/360 रकबा 0.05 हैक्टेयर कुल किता 2 कुल रकबा 0.06 हैक्टेयर भूमि रहेगी।

तहसीलदार जालसू से प्राप्त कुर्रेजात रिपोर्ट एवं नक्शा निर्णय एवं डिक्री का अभिन्न अंग रहेंगे। उभयपक्ष को मुताबिक निर्णय अनुसार जरिये स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि वे एक दूसरे के हिस्से में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न नही करेंगे। निर्णय एवं डिक्री की पालना हेतु तहसीलदार जालसू को तहरीर जारी हो। पत्रावली फैंसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।

निर्णय खुले न्यायालय में सुनाया गया।

  
सहायक कलक्टर  
आमेर मु० जयपुर

अन्तिम डिक्री मुकद्दमा इब्तदाई  
(ओं 20 रूल्स 6 व 7 जाब्ता दीवानी)  
पीठासीन अधिकारी : सुमन चौधरी  
आर.ए.एस

नियमित वाद संख्या 54/2024

वाद प्रस्तुति दिनांक : 02.07.2024

लक्ष्मण पुत्र जगदीश जाति किशना पुत्र गंगाराम जाति हरियाणा ब्राह्मण निवासी ग्राम  
बंदपुराजाटान, तहसील आमेर, जिला जयपुर।

..... वादी

बनाम

1. गोपाल पुत्र जगदीश
2. मुकेश पुत्र नाथूराम
3. हनुमान पुत्र जगदीश
4. समस्त जाति बागड़ा, निवासी ग्राम बिशनसिंहपुरा, तहसील आमेर, जिला जयपुर।
5. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार जालसू तहसील जालसू व जिला जयपुर।
6. उप पंजीयक महोदय, जालसू तहसील जालसू, जिला जयपुर।

.....प्रतिवादीगण

वाद बाबत तकासमा एवं स्थायी निषेधाज्ञा अन्तर्गत - 53, 188 अन्तर्गत  
अधिनियम राजस्थान काश्तकारी अधिनियम -1955

तहसीलदार जालसू से प्राप्त कुर्रैजात रिपोर्ट के आधार पर दावा निम्न प्रकार डिक्री किया जाता है:-

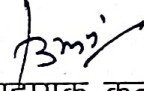
1. गोपाल पुत्र जगदीश हि. 1/3, लक्ष्मण पुत्र जगदीश हि. 1/3, हनुमान पुत्र जगदीश हि. 1/3 राहिन स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर शाखा आमेर जाति बागडा ब्राह्मण सात्र देह खातेदार के हिस्से खसरा नंबर 146/1 रकबा 2.1250 हैक्टेयर, खसरा नंबर 180/1 रकबा 0.29 हैक्टेयर, खसरा नंबर 187/1 रकबा 0.24 हैक्टेयर, खसरा नंबर 194/1 रकबा 0.1750 हैक्टेयर कुल किता 4 कुल रकबा 2.83 हैक्टेयर भूमि रहेगी।
2. मुकेश पुत्र नाथूराम जाति बागडा ब्राह्मण राहिन जयपुर नागौर आंचलिक ग्रामीण बैंक शाखा राधाकिशनपुरा के हिस्से खसरा नंबर 146/2 रकबा 2.1250 हैक्टेयर, खसरा नंबर 180/2 रकबा 0.29 हैक्टेयर, खसरा नंबर 187/2 रकबा 0.24 हैक्टेयर, खसरा नंबर 194/2 रकबा 0.1750 हैक्टेयर कुल किता 4 कुल रकबा 2.83 भूमि रहेगी।
3. गोपाल पुत्र जगदीश हि. 1/6 राहिन स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर, लक्ष्मण पुत्र जगदीश हि. 1/6 राहिन स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर शाखा आमेर, हनुमान पुत्र जगदीश हि. 1/6 राहिन स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर शाखा आमेर, मुकेश पुत्र नाथूराम हि. 1/2 राहिन जयपुर नागौर आंचलिक बैंक शाखा राधाकिशनपुरा, जाति बागडा ब्राह्मण सा. देह खातेदार के हिस्से खसरा नंबर 146/3 रकबा 0.01 हैक्टेयर, खसरा नंबर 195/360 रकबा 0.05 हैक्टेयर कुल किता 2 कुल रकबा 0.06 हैक्टेयर भूमि रहेगी।

Bms  
सहायक क्लर्क  
आमेर मु. जयपुर



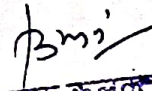
तहसीलदार जालसू से प्राप्त कुर्रैजात रिपोर्ट एवं नक्शा निर्णय एवं डिक्री का अभिन्न अंग रहेंगे। उभयपक्ष को मुताबिक निर्णय अनुसार जरिये स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि वे एक दूसरे के हिस्से में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न नही करेंगे। निर्णय एवं डिक्री की पालना हेतू तहसीलदार जालसू को तहरीर जारी हो। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।  
बसख्त मेरे दस्तख्त व मुहर अदालत से आज तारीख 12.05.2025 को जारी किया।

खत—  
दा—

  
सहायक कलक्टर  
आमेर मु0 जयपुर

मुद्दई	रुपये	पैसे	मुद्दायलह	रुपये	पैसे
स्टाम्प अर्जी दावा स्टाम्प वकालतनामा स्टाम्प वजह सबूत महन्ताना वकील खर्चा गवाहन फीस कगिश्नर बबत् इजराय हुक्मानामा मुतफरित गीजान	2 रुपये 2 रुपये 4 रुपये	—	स्टाम्प अर्जी दावा स्टाम्प वकालतनामा स्टाम्प वजह सबूत महन्ताना वकील खर्चा गवाहन फीस कमि श्नर बबत् इजराय हुक्मानामा मुतफरित मीजान	2 रुपये 2 रुपये 4 रुपये	—



  
सहायक कलक्टर  
आमेर मु. जयपुर